International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

कोटा शहर में शिक्षक शिक्षा संस्थानों की भूमिका और प्रासंगिकता

विनीता गुप्ता
शोधार्थी, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, कैरियर प्वॉइंट विश्वविद्यालय,
कोटा – राजस्थान
vinitagupta22@gmail.com
डॉ. प्रीति शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, कैरियर प्वॉइंट विश्वविद्यालय, कोटा – राजस्थान
drpritisharma620@gmail.com

अमूर्त

यह अध्ययन भारत के एक महत्वपूर्ण शैक्षिक केंद्र, कोटा शहर में शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) की भूमिका और प्रासंगिकता का अन्वेषण करता है। यह शोध एक वर्णनात्मक अभिलेखीय और संस्थागत विश्लेषण डिजाइन को अपनाता है, जो विशेष रूप से संस्थागत अभिलेखों, वार्षिक रिपोर्टों, प्रवेश रजिस्टरों, संकाय रोस्टरों और प्लेसमेंट दस्तावेजों जैसे द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। सरकारी, निजी सहायता प्राप्त, निजी गैर–सहायता प्राप्त और विश्वविद्यालय–संबद्ध टीईआई में संस्थागत विविधता को दर्शाने के लिए कुल 110 अभिलेखीय अभिलेखों की जाँच की गई। आँकड़ों को संस्थान के प्रकार, कार्यक्रमों की पेशकश, संकाय योग्यता, प्रवेश क्षमता और प्लेसमेंट परिणामों की श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया था, और आवृत्ति गणना और प्रतिशत वितरण के माध्यम से उनका विश्लेषण किया गया था। निष्कर्ष बताते हैं कि निजी गैर–सहायता प्राप्त टीईआई का दबदबा है, जहाँ अधिकांश संस्थान बी.एड. कार्यक्रमों पर केंद्रित हैं, जबकि अपेक्षाकृत कम संस्थान उन्नत या शोध–उन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। संकाय योग्यताएँ असमान हैं, और शिक्षकों का एक महत्वपूर्ण अनुपात एम.एड. से कम योग्यता रखता है। छात्रों के प्रवेश पैटर्न मध्यम क्षमता दर्शाते हैं, जबकि प्लेसमेंट परिणाम ताकत और कमियों दोनों को उजागर करते हैं, जहाँ आधे से कुछ अधिक स्नातक एक वर्ष के भीतर शिक्षण पद प्राप्त करते हैं।

कीवर्ड: *शिक्षक शिक्षा संस्थान (TEI), कोटा शहर, अभिलेखीय विश्लेषण, संस्थागत प्रासंगिकता, संकाय योग्यताएं।*

1. परिचय

शिक्षक शिक्षा संस्थान (टीईआई) शिक्षकों को तैयार करने, शैक्षणिक प्रथाओं को आकार देने और स्कूल की गुणवत्ता को प्रभावित करने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। भारत के एक प्रसिद्ध शैक्षिक केंद्र कोटा शहर के संदर्भ में, टीईआई स्कूलों, कोचिंग केंद्रों और उच्च शिक्षा संस्थानों के एक सघन पारिस्थितिकी तंत्र के अंतर्गत संचालित होते हैं। यह अध्ययन संस्थागत विशेषताओं, कार्यक्रमों की पेशकश, संकाय क्षमता, छात्र प्रवेश पैटर्न और तत्काल रोजगार परिणामों का विश्लेषण करके कोटा में टीईआई की भूमिका और

प्रासंगिकता की जाँच करता है। इसका उद्देश्य यह उजागर करना है कि कोटा में टीईआई शिक्षक आपूर्ति, व्यावसायिक विकास, स्कूल–कॉलेज संबंधों और सामुदायिक आउटरीच में कैसे योगदान करते हैं, और उन क्षेत्रों की पहचान करना है जहाँ संस्थागत नीतियाँ स्थानीय शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ा सकती हैं।

2. साहित्य समीक्षा

एन हिम और सिल्टे (2024) ने शैक्षणिक संस्थानों और शिक्षक शिक्षा के व्यावहारिक क्षेत्र के बीच सहयोग का ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण से परीक्षण किया। उनका अध्ययन शिक्षक शिक्षा विद्यालयों की स्थापना के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षक शिक्षा की प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई एक परियोजना पर आधारित था। लेखकों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे विश्वविद्यालयों और विद्यालयों के बीच संरचित सहयोग ने सैद्धांतिक ज्ञान को कक्षा की वास्तविकताओं से जोड़ने के अवसर पैदा किए। उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह की साझेदारियों ने छात्र–शिक्षकों की व्यावसायिक तैयारी को मजबूत किया, संस्थागत प्रासंगिकता को समृद्ध किया और शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की दीर्घकालिक स्थिरता में सुधार किया।

एन हिम (2020) ने भारत में निजी कोचिंग केंद्रों की भूमिका पर एक दस्तावेज विश्लेषण किया, जिसमें कोटा में जेईई–एडवांस्ड तैयारी केंद्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। अध्ययन से पता चला कि व्यावसायिक कोचिंग संस्कृति के उदय का छात्रों के शैक्षणिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। निष्कर्षों ने संकेत दिया कि जहाँ कोचिंग संस्थानों ने कोटा की एक शैक्षिक केंद्र के रूप में पहचान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वहीं उन्होंने उच्च स्तर के शैक्षणिक दबाव में भी योगदान दिया और शिक्षक शिक्षा संस्थानों सहित मुख्यधारा के शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रासंगिकता और गुणवत्ता बनाए रखने के मामले में चुनौतियाँ पैदा कीं।

रहमान (2021) ने इंडोनेशिया में शिक्षक व्यावसायिक विकास (टीपीडी) कार्यक्रमों में उच्च भागीदारी और कम प्रभाव के विरोधाभास की जाँच की। अध्ययन से पता चला कि यद्यपि बड़ी संख्या में शिक्षक व्यावसायिक विकास पहलों में शामिल थे, फिर भी कक्षा अभ्यास, शैक्षणिक नवाचार और छात्र अधिगम के संदर्भ में परिणाम सीमित रहे। शोध में कई चुनौतियों की पहचान की गई, जिनमें प्रशिक्षण मॉड्यूल में प्रासंगिक प्रासंगिकता का अभाव, अपर्याप्त अनुवर्ती सहायता और नीतिगत उद्देश्यों और शिक्षक आवश्यकताओं के बीच अपर्याप्त संरेखण शामिल हैं। रहमान ने तर्क दिया कि व्यावसायिक विकास अक्सर एक परिवर्तनकारी प्रक्रिया के बजाय एक औपचारिकता बन जाता है, जिससे शिक्षक शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने में इसकी प्रभावशीलता सीमित हो जाती है।

हार्टिनाह एट अल. (2020) ने इंडोनेशिया के टेगल शहर में शिक्षक प्रदर्शन प्रबंधन का विश्लेषण किया, जिसमें प्रधानाचार्यों के नेतृत्व, कार्य वातावरण और शिक्षक प्रेरणा की भूमिकाओं पर जोर दिया गया।

अध्ययन से पता चला कि प्रभावी नेतृत्व, सहायक कार्यस्थल परिस्थितियाँ और प्रेरक रणनीतियों ने शिक्षक प्रदर्शन और फलस्वरूप, छात्र परिणामों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। इसने उच्च–गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने में संस्थागत नेतृत्व, संकाय कल्याण और व्यावसायिक विकास के बीच अंतर्संबंध पर जोर दिया। शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की भावी शिक्षकों को विविध नेतृत्व और संगठनात्मक वातावरण में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए तैयार करने में भूमिका होती है, जो शिक्षक प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में प्रबंधन और व्यावसायिक कौशल के महत्व पर प्रकाश डालता है।

3. अनुसंधान पद्धति

शोध पद्धति कोटा शहर में शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) की भूमिका और प्रासंगिकता पर वर्तमान अध्ययन के संचालन के लिए अपनाई गई व्यवस्थित प्रक्रियाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। चूँकि अध्ययन का केंद्र बिंदु व्यक्तिगत के बजाय संस्थागत है, इसलिए एक वर्णनात्मक अभिलेखीय दृष्टिकोण अपनाया गया, जो संस्थागत रिपोर्टों, प्रवेश आंकड़ों, संकाय अभिलेखों और प्लेसमेंट रजिस्टरों जैसे द्वितीयक स्रोतों पर विशेष रूप से निर्भर था। इस पद्धतिगत ढाँचे को सर्वेक्षण उपकरणों के उपयोग के बिना निष्पक्षता, विश्वसनीयता और संस्थागत प्रथाओं की व्यापक समझ सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया था। निम्नलिखित उपखंड शोध डिजाइन, नमूना आकार और विश्लेषणात्मक ढाँचे का विवरण देते हैं जिसने अध्ययन को निर्देशित किया।

3.1 अनुसंधान डिजाइन

वर्तमान अध्ययन एक वर्णनात्मक अभिलेखीय और संस्थागत विश्लेषण डिजाइन को अपनाता है। यह दृष्टिकोण सर्वेक्षण उपकरणों पर निर्भर हुए बिना संस्थागत भूमिकाओं और प्रासंगिकता की जाँच के लिए उपयुक्त है। द्वितीयक स्रोतों और संस्थागत दस्तावेजों का विश्लेषण करके, यह अध्ययन कोटा शहर में शिक्षक शिक्षा परिदृश्य की साक्ष्य–आधारित समझ प्रदान करता है।

3.2 नमूना आकार

कुल 110 अभिलेखीय अभिलेखों की जाँच की गई। ये अभिलेख व्यक्तिगत सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं के बजाय समेकित संस्थागत आँकड़ों का प्रतिनिधित्व करते हैं। कोटा शहर में कार्यक्रमों की पेशकश, संकाय योग्यता, प्रवेश पैटर्न और संस्थागत परिणामों के व्यापक दायरे को शामिल करने के लिए नमूना आकार का चयन किया गया था।

3.3 डेटा विश्लेषण तकनीक

इस अध्ययन का विश्लेषणात्मक ढाँचा श्रेणीबद्ध वर्गीकरण और वर्णनात्मक सारांशीकरण के सिद्धांत पर आधारित है। आँकड़ों का विश्लेषण तीन क्रमिक चरणों में किया गया:

i. वर्गीकरणः अभिलेखों को पूर्वनिर्धारित श्रेणियों (संस्थान का प्रकार, कार्यक्रम संरचना, संकाय योग्यता, प्रवेश, प्लेसमेंट) में समूहीकृत किया गया।

ii. परिमाणीकरणः प्रत्येक श्रेणी के लिए आवृत्तियों की गणना की गई, उसके बाद कुल नमूना आकार (N = 110) के सापेक्ष प्रतिशत वितरण की गणना की गई।

iii. व्याख्याः परिणामों की व्याख्या कोटा में तकनीकी शिक्षा संस्थानों की भूमिका और प्रासंगिकता के संदर्भ में की गई, जिसमें पैटर्न, शक्तियों और नीतिगत या संस्थागत हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया।

यह ढाँचा सुनिश्चित करता है कि विश्लेषण कच्चे आँकड़ों से आगे बढ़कर संस्थागत रुझानों और उनके शैक्षिक महत्व को प्रकट करे।

4. परिणाम और चर्चा

परिणाम और चर्चा अनुभाग कोटा शहर भर के शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) में संस्थागत विशेषताओं, कार्यक्रमों की पेशकश, संकाय योग्यताओं और छात्र प्रवेश पैटर्न का एक व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। सरकारी, निजी सहायता प्राप्त, निजी गैर–सहायता प्राप्त और विश्वविद्यालय–संबद्ध संस्थानों के 110 अभिलेखीय अभिलेखों का उपयोग करते हुए, यह अध्ययन सर्वेक्षण–आधारित आँकड़ों पर निर्भर हुए बिना शिक्षक शिक्षा परिदृश्य का एक वर्णनात्मक अवलोकन प्रदान करता है। विश्लेषण प्रमुख संस्थागत प्रकारों, प्रचलित कार्यक्रमों, संकाय विशेषज्ञता और क्षमता प्रवृत्तियों की पहचान करने के लिए आवृत्ति वितरण और प्रतिशत पैटर्न पर केंद्रित है। इन संकेतकों की जाँच करके, यह अनुभाग शिक्षक तैयारी को आकार देने, शैक्षिक गुणवत्ता को प्रभावित करने और प्रशिक्षित शिक्षकों की स्थानीय माँग को पूरा करने में टीईआई की भूमिका और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालता है।

4.1 कोटा में शिक्षक शिक्षा संस्थानों के प्रकार

कोटा में शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) का वर्गीकरण शहर में शिक्षक प्रशिक्षण को आकार देने वाले संस्थागत ढांचे की एक आधारभूत समझ प्रदान करता है। संस्थानों के प्रकारों की पहचान करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि शासन पद्धति, वित्त पोषण स्रोत और संबद्धताएँ संस्थागत प्राथमिकताओं, कार्यक्रम वितरण और शैक्षिक परिणामों को सीधे प्रभावित करती हैं। टीईआई को सरकारी, निजी सहायता प्राप्त, निजी गैर–सहायता प्राप्त और विश्वविद्यालय–संबद्ध श्रेणियों में वर्गीकृत करके, यह विश्लेषण इस बात की अंतदृष्टि प्रदान करता है कि विभिन्न संस्थागत मॉडल शिक्षक शिक्षा में कैसे योगदान करते हैं।

तालिका 1 शिक्षक शिक्षा संस्थान का प्रकार

संस्थान का प्रकार	आवृत्ति	प्रतिशत
सरकार	20	18.18%

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

निजी – बिना सहायता के	65	59.09%
निजी – सहायता प्राप्त	15	13.64%
डीम्ड / विश्वविद्यालय विभाग	10	9.09%
कुल	**110**	**100.00%**

तालिका 1 के आँकड़े और चित्र 1 में इसका चित्रमय निरूपण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कोटा में शिक्षक शिक्षा परिदृश्य पर निजी गैर–सहायता प्राप्त संस्थानों का प्रभुत्व है, जिनकी संख्या कुल संस्थानों में लगभग 60% (110 में से 65) है। यह शहर में शिक्षक शिक्षा के बढ़ते निजीकरण को दर्शाता है, जहाँ निजी प्रदाता शिक्षक प्रशिक्षण में प्राथमिक योगदानकर्ता के रूप में उभरे हैं। सरकारी संस्थान केवल 18.18% (20 संस्थान) हैं, जो इस क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की सीमित क्षमता का संकेत देता है। निजी सहायता प्राप्त कॉलेज 13.64% (15 संस्थान) का योगदान करते हैं, जबकि डीम्डधविश्वविद्यालय विभाग 9.09% (10 संस्थान) का योगदान करते हैं, जो शिक्षक शिक्षा में उच्च शैक्षणिक संस्थानों की एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

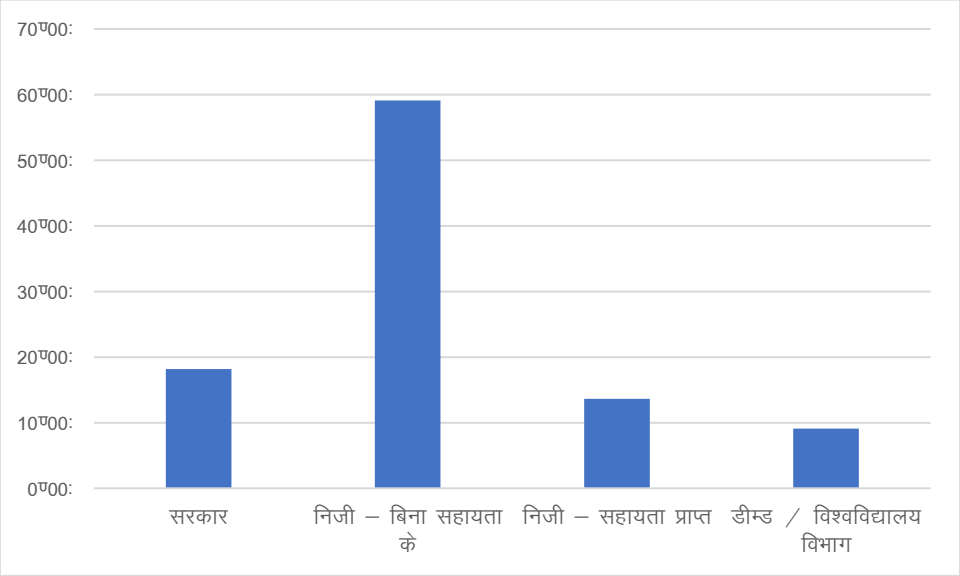

चित्र 1: शिक्षक शिक्षा संस्थान के प्रकार के प्रतिशत का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व

यह आँकड़ा इस वितरण को स्पष्ट रूप से पुष्ट करता है, जिसमें निजी गैर–सहायता प्राप्त संस्थानों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। यह प्रवृत्ति शिक्षक शिक्षा के बढ़ते व्यावसायीकरण, निजी संस्थानों पर निर्भरता और सरकारी भागीदारी की सापेक्षिक कमजोरी को उजागर करती है। यह गुणवत्ता आश्वासन, विनियमन और समान पहुँच को लेकर भी चिंताएँ पैदा करता है, क्योंकि गैर–सहायता प्राप्त संस्थानों के मानकों और शुल्क संरचनाओं में अक्सर व्यापक अंतर होता है।

4.2 शिक्षक शिक्षा संस्थानों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

कोटा में शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) द्वारा प्रदान किए जाने वाले कार्यक्रमों की विविधता को समझना, शिक्षक प्रशिक्षण को आकार देने में उनकी भूमिका और प्रासंगिकता का आकलन करने के लिए आवश्यक है। कार्यक्रमों की विविधता न केवल शैक्षिक आवश्यकताओं के प्रति संस्थानों की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि शिक्षक विकास के लिए उनके दृष्टिकोण को भी उजागर करती है–चाहे वह आधारभूत प्रशिक्षण तक सीमित हो या उन्नत एवं शोध–उन्मुख मार्गों तक विस्तारित हो। कार्यक्रमों के प्रकारों का मानचित्रण करके, यह खंड इस बात का मूल्यांकन करता है कि कोटा में टीईआई किस हद तक समग्र शिक्षक शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा दे रहे हैं।

तालिका 2: प्रस्तावित कार्यक्रम (प्रति रिकॉर्ड प्राथमिक कार्यक्रम प्रकार)

कार्यक्रम का प्रकार	आवृत्ति	प्रतिशत
केवल बी.एड.	40	36.36%
बी.एड.. एम.एड. मार्ग	30	27.27%
शिक्षक शिक्षा में डिप्लोमा	20	18.18%
एकीकृत बी.एड. (आई.एन., 4–वर्षीय एकीकृत)	10	9.09%
अनुसंधान / पीएच.डी. कार्यक्रम	10	9.09%
कुल	**110**	**100.00%**

तालिका 2 के आंकड़ों से पता चलता है कि कोटा में अधिकांश टीईआई मुख्य रूप से स्नातक शिक्षक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिसमें 36.36% (40 संस्थान) केवल बी.एड. कार्यक्रम प्रदान करते हैं। इसके बाद 27.27% (30 संस्थान) बी.एड.. एम.एड. मार्ग प्रदान करते हैं, जो शिक्षा में उच्च योग्यता हासिल करने के इच्छुक छात्रों को निरंतरता प्रदान करता है। शिक्षक शिक्षा में डिप्लोमा 18.18% (20 संस्थान) के लिए है, जो प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण के उद्देश्य से छोटे, कौशल–आधारित कार्यक्रमों की उपस्थिति को दर्शाता है। उन्नत अवसर सीमित हैं, केवल 9.09% (10 संस्थान प्रत्येक) एकीकृत बी.एड. (4–वर्षीय मॉडल) और शोध/पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करते हैं। यह दर्शाता है कि कोटा में टीईआई शिक्षक शिक्षा के लिए एक ठोस आधार प्रदान करते हैं।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

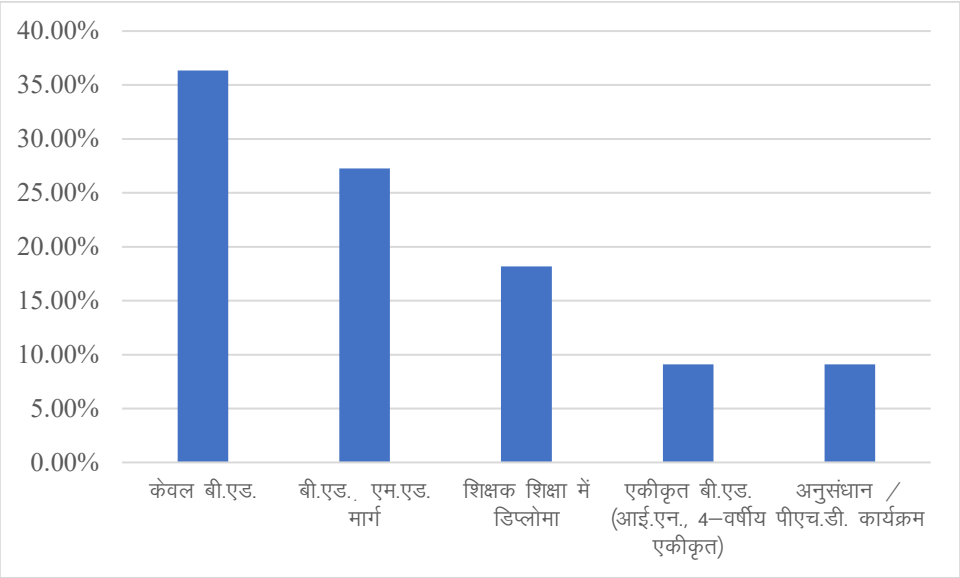

चित्र 2: प्रस्तावित कार्यक्रमों के प्रतिशत का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व (प्रति रिकॉर्ड प्राथमिक कार्यक्रम प्रकार)

चित्र 2 बी.एड. स्ट्रीम के इर्द–गिर्द कार्यक्रमों के संकेंद्रण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है, विशेष रूप से एकल बी.एड. कार्यक्रमों के प्रभुत्व को। एकीकृत और शोध कार्यक्रमों का प्रतिनिधित्व करने वाले अपेक्षाकृत छोटे खंड विविधीकरण के अभाव को दर्शाते हैं। यह वितरण दर्शाता है कि कोटा में तकनीकी शिक्षा संस्थान मुख्य रूप से मांग–आधारित हैं, जो उच्च–नामांकन वाले बी.एड. पाठ्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि शिक्षक शिक्षा में दीर्घकालिक व्यावसायिकीकरण और नवाचार पर कम जोर देते हैं।

4.3 शिक्षक शिक्षा संस्थानों में संकाय योग्यताएं

शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) में संकाय सदस्यों की योग्यताएँ शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संकाय विशेषज्ञता न केवल कार्यक्रमों की शैक्षणिक गहराई को प्रभावित करती है, बल्कि संस्थानों के भीतर अनुसंधान अभिविन्यास और शैक्षणिक कठोरता को भी आकार देती है। कोटा के टीईआई में संकाय योग्यताओं के वितरण का अध्ययन, इन संस्थानों की शैक्षणिक क्षमता, व्यावसायिक तैयारी और उच्च–गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा प्रदान करने में आने वाली संभावित चुनौतियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है।

तालिका 3 संकाय योग्यताएं (प्रति संकाय प्रविष्टि दर्ज प्राथमिक उच्चतम योग्यता)

योग्यता श्रेणी	आवृत्ति	प्रतिशत
पीएच.डी. (शिक्षा या संबद्ध)	30	27.27%
एम.एड. नेट/सेट के साथ	20	18.18%
एम.एड. (नेट/सेट के बिना)	40	36.36%

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

एम.एड. से कम (उदाहरणार्थ, केवल बी.एड.)	20	18.18%
कुल	**110**	**100.00%**

तालिका 3 कोटा के टीईआई में संकाय योग्यताओं की मिश्रित प्रोफाइल को उजागर करती है। सबसे बड़ी श्रेणी, 36.36% (40 संकाय रिकॉर्ड), में एम.एड. की डिग्री रखने वाले शिक्षक शामिल हैं, बिना नेट/सेट योग्यता के, जो अकादमिक रूप से प्रशिक्षित लेकिन शोध–प्रमाणित नहीं शिक्षकों की मजबूत उपस्थिति का संकेत देता है। लगभग 27.27% (30 संकाय सदस्य) के पास शिक्षा या संबद्ध विषयों में पीएचडी है, जो शोध–योग्य संकाय के एक महत्वपूर्ण लेकिन प्रमुख आधार को नहीं दर्शाता है। 18.18% (20 संकाय रिकॉर्ड) एम.एड. के साथ नेट/सेट हैं, जो उच्च–स्तरीय शैक्षणिक भूमिकाओं के लिए पात्रता वाले शिक्षकों के एक छोटे समूह को दर्शाता है। अन्य 18.18% (20 संकाय सदस्य) के पास एम.एड. से कम योग्यताएं हैं, जैसे कि केवल बी.एड.।

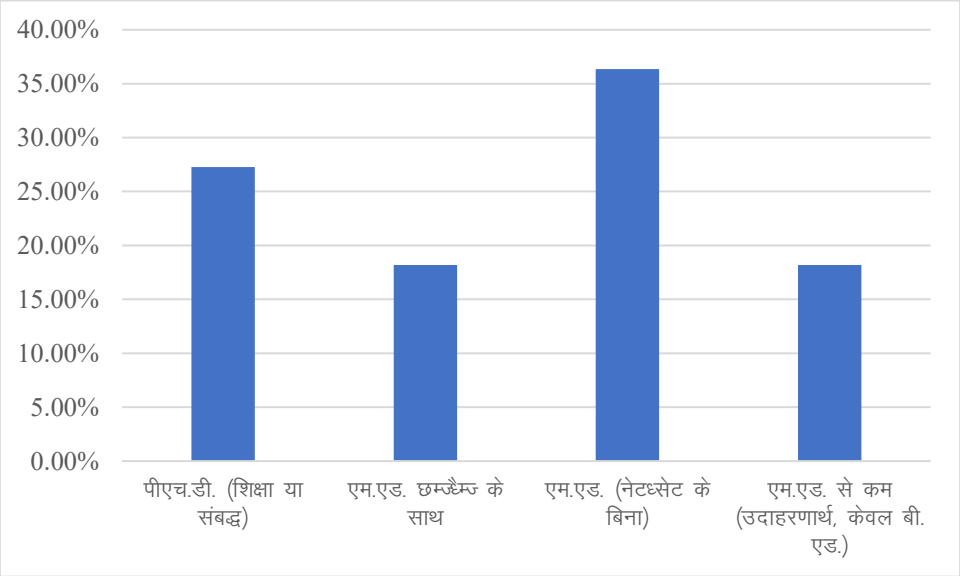

चित्र 3: संकाय योग्यता के प्रतिशत का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व (प्रति संकाय प्रविष्टि दर्ज प्राथमिक उच्चतम योग्यता)

चित्र 3 में ग्राफिकल निरूपण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि एम.एड.–योग्य संकाय, नेट–सेट के साथ और उसके बिना, शिक्षण कार्यबल के आधे से अधिक का प्रतिनिधित्व करते हैं। पीएचडी–योग्य संकाय, भले ही दृश्यमान हों, अनुसंधान और उन्नत शैक्षणिक नवाचार को बढ़ावा देने के इच्छुक संस्थानों के लिए आदर्श से कम हैं। केवल बी.एड. या उससे कम योग्यता वाले संकायों की अपेक्षाकृत बड़ी हिस्सेदारी संस्थानों में संकाय मानकों में असमानताओं को रेखांकित करती है। यह असमान वितरण दर्शाता है कि कोटा के कुछ तकनीकी शिक्षा संस्थानों को उच्च योग्य कर्मचारियों का लाभ मिलता है, जबकि अन्य को निरंतर शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुसंधान संस्कृति बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

4.4 सामान्य वार्षिक छात्र प्रवेश क्षमता

शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) की वार्षिक छात्र प्रवेश क्षमता, शिक्षा प्रणाली में उनके पैमाने और पहुँच का एक प्रमुख संकेतक है। प्रवेश का आकार न केवल संस्थागत बुनियादी ढाँचे और संसाधनों को दर्शाता है, बल्कि नियामक अनुमतियों और शिक्षक प्रशिक्षण की माँग को भी दर्शाता है। कोटा के टीईआई में प्रवेश पैटर्न का विश्लेषण यह समझने में मदद करता है कि संस्थान योग्य शिक्षकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए किस प्रकार तैयार हैं, और क्या क्षमताओं का वितरण संतुलित पहुँच और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण का समर्थन करता है।

तालिका 4: विशिष्ट वार्षिक छात्र प्रवेश (संस्थान–रिकॉर्ड द्वारा बैंडेड)

सेवन बैंड	आवृत्ति	प्रतिशत
≤ 50 छात्र	25	22.73%
51–100 छात्र	45	40.91%
101–200 छात्र	30	27.27%
200 से अधिक छात्र	10	9.09%
कुल	**110**	**100.00**

तालिका 4 दर्शाती है कि कोटा में टीईआई का सबसे बड़ा अनुपात, 40.91% (45 संस्थान), 51–100 छात्रों के प्रवेश बैंड में आते हैं, जो एक मध्यम परिचालन पैमाने को दर्शाता है। लगभग 27.27% (30 संस्थान) 101–200 छात्रों को समायोजित करते हैं, जबकि 22.73% (25 संस्थान) की क्षमता अपेक्षाकृत कम है, जो 50 या उससे कम छात्रों की है। केवल 9.09% (10 संस्थान) 200 से अधिक छात्रों के प्रवेश की रिपोर्ट करते हैं, जो बड़े पैमाने के संस्थानों की सीमित संख्या को दर्शाता है। ये आंकड़े बताते हैं कि कोटा के शिक्षक शिक्षा क्षेत्र में मध्यम क्षमता वाले संस्थानों का प्रभुत्व है, जिनमें बहुत कम छोटे या बहुत बड़े खिलाड़ी हैं, जो संभावित रूप से छात्रों की पहुँच के साथ प्रबंधनीयता को संतुलित करते हैं।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

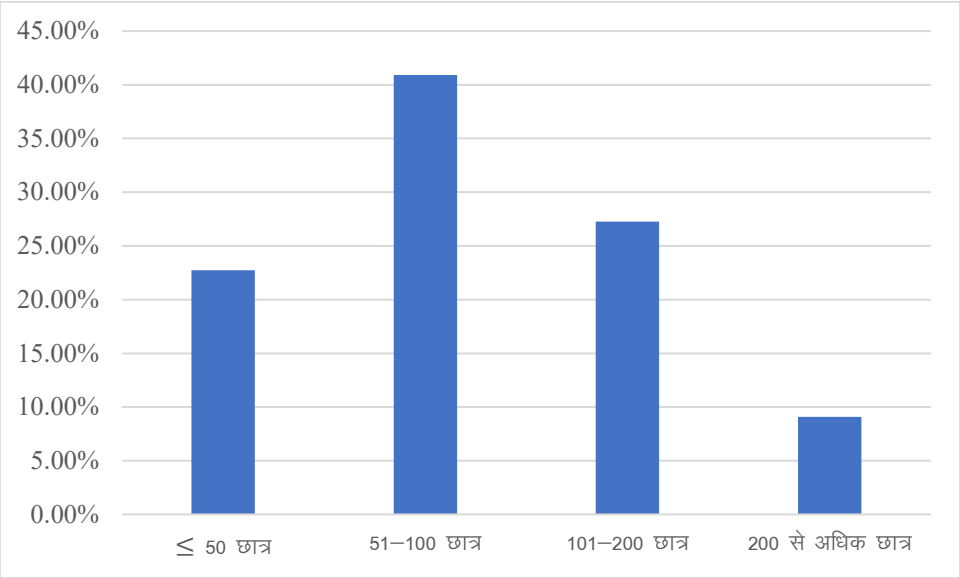

चित्र 4: विशिष्ट वार्षिक छात्र प्रवेश के प्रतिशत का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व (संस्थान–रिकॉर्ड द्वारा बैंडेड)

चित्र 4 में ग्राफिकल निरूपण मध्यम आकार के संस्थानों के प्रभुत्व को दर्शाता है, जिसमें 51–100 छात्रों वाले संस्थानों का हिस्सा सबसे बड़ा है। छोटे संस्थान (≤50 छात्र) और बड़े संस्थान (>200 छात्र) वितरण के अपेक्षाकृत छोटे हिस्से के रूप में दिखाई देते हैं, जिससे यह अवलोकन पुष्ट होता है कि कोटा में अधिकांश तकनीकी शिक्षा संस्थान (टीईआई) एक मामूली पैमाने पर संचालित होते हैं। यह पैटर्न प्रबंधनीय छात्र–शिक्षक अनुपात बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है, हालाँकि यह बुनियादी ढाँचे या नियामक बाधाओं का भी संकेत दे सकता है जो कई संस्थानों को महत्वपूर्ण रूप से विस्तार करने से रोकते हैं।

4.5 कोटा में शिक्षक शिक्षा संस्थानों में ई–संसाधनों का महत्व

उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन पर बढ़ते जोर ने शिक्षक–शिक्षा संस्थानों में ई–संसाधनों को अपरिहार्य बना दिया है। कोटा, जिसे अक्सर राष्ट्रीय शिक्षा केंद्र माना जाता है, में इन संसाधनों का महत्व और भी बढ़ जाता है। शहर के शिक्षक–शिक्षा संस्थान (टीईआई) अपने शैक्षणिक वातावरण को मजबूत बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए ई–संसाधनों पर निर्भर हैं कि भावी शिक्षक इक्कीसवीं सदी की कक्षाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हों। ई–संसाधनों का एक प्रमुख लाभ यह है कि वे अद्यतन शैक्षणिक सामग्री तक निरंतर और तुरंत पहुँच प्रदान करते हैं। कोचिंग सेंटरों और निजी स्कूलों के प्रतिस्पर्धी माहौल से घिरे कोटा के टीईआई को ऐसे शिक्षक तैयार करने होंगे जो न केवल विषय–सक्षम हों, बल्कि तकनीकी रूप से भी अनुकूलनशील हों।

तालिका 5 कोटा के 110 शिक्षक–शिक्षा संस्थानों में उपलब्ध ई–संसाधनों के वितरण को दर्शाती है। आँकड़ों को छह श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: डिजिटल पुस्तकालय और ई–पुस्तकें, ऑनलाइन

पत्रिकाएँ और डेटाबेस, ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म, आईसीटी–सक्षम कक्षाएँ, सिमुलेशन/केस–आधारित उपकरण, और सीमित या बिना ई–संसाधन वाले संस्थान। तालिका प्रत्येक श्रेणी के लिए आवृत्ति और प्रतिशत दोनों मान प्रदान करती है ताकि संस्थानों के भीतर विभिन्न प्रकार के डिजिटल संसाधनों की व्यापकता पर प्रकाश डाला जा सके।

तालिका 5: शिक्षक शिक्षा संस्थानों में ई–संसाधनों की उपलब्धता

ई–संसाधनों की उपलब्धता	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
डिजिटल पुस्तकालय और ई–पुस्तकें	70	63.64%
ऑनलाइन पत्रिकाएँ और डेटाबेस	55	50.00%
ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म (डेटाबेस)	45	40.91%
आईसीटी–सक्षम कक्षाएँ	35	31.82%
सिमुलेशन / केस–आधारित उपकरण	25	22.73%
सीमित / कोई ई–संसाधन नहीं	20	18.18%
कुल	**110**	**100.00%**

डेटा से पता चलता है कि डिजिटल लाइब्रेरी और ई–पुस्तकें सबसे व्यापक रूप से उपलब्ध संसाधन हैं, जो 63.64% टीईआई (70 संस्थान) में मौजूद हैं। ऑनलाइन जर्नल और डेटाबेस भी आम हैं, आधे संस्थान (50.00%) पहुँच प्रदान करते हैं, जो शोध–उन्मुख शिक्षक शिक्षा की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाता है। ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसे कि एमओओसी और लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम 40.91% (45 संस्थान) में उपलब्ध हैं, जो अपनाने के मध्यम स्तर को दर्शाता है। आईसीटी–सक्षम कक्षाएं, जो इंटरैक्टिव शिक्षण का समर्थन करती हैं, 31.82% (35 संस्थान) में उपलब्ध हैं, जबकि सिमुलेशन और केस–आधारित उपकरण – अभ्यास शिक्षण के लिए उपयोगी – कम हैं, जो केवल 22.73% (25 संस्थान) में पाए जाते हैं। उल्लेखनीय रूप से, 18.18% (20 संस्थान) प्रत्येक बार ई–संसाधनों की एक विशिष्ट श्रेणी से संबंधित होता है, जिसकी ऊँचाई (या आकार) उसके प्रतिशत मान के समानुपाती होती है। यह ग्राफिकल दृश्य विभिन्न संस्थानों में विभिन्न डिजिटल उपकरणों के प्रचलन की आसान तुलना की सुविधा देता है।

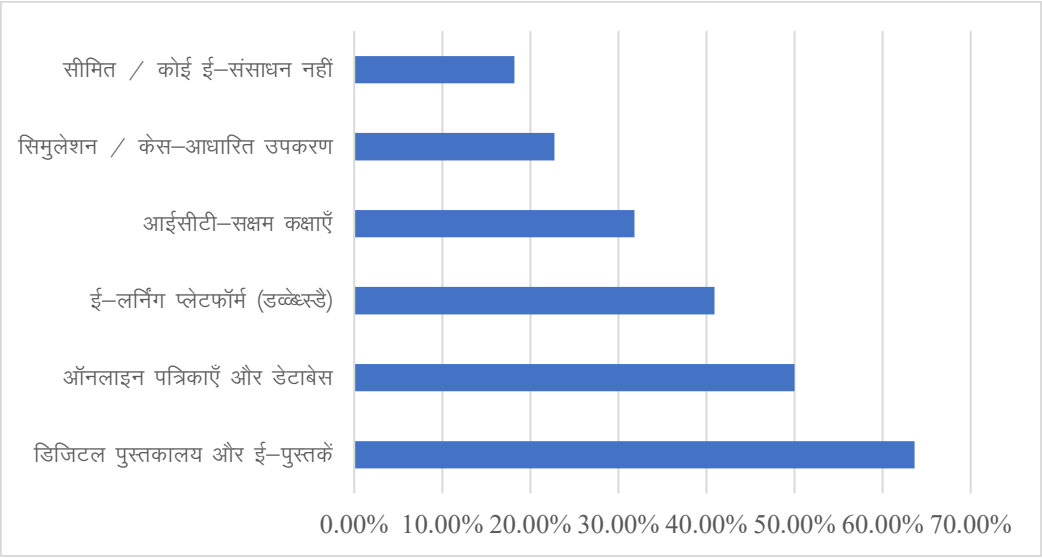

चित्र 5: शिक्षक शिक्षा संस्थानों में ई–संसाधनों की उपलब्धता के प्रतिशत का चित्रमय निरूपण

यह आंकड़ा डिजिटल पुस्तकालयों और ई–पुस्तकों के प्रभुत्व को दर्शाता है, जो सबसे बड़े हिस्से पर कब्जा करते हैं, इसके बाद ऑनलाइन पत्रिकाएँ और ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म आते हैं। आईसीटी–सक्षम कक्षाएँ और सिमुलेशन उपकरण छोटे हिस्से के रूप में दिखाई देते हैं, जो उनकी अपेक्षाकृत सीमित उपस्थिति को दर्शाता है। सीमित या बिना ई–संसाधनों वाले संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाला खंड विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि यह कोटा में टीईआई के बीच डिजिटल विभाजन पर जोर देता है। यह दृश्य वितरण इस व्याख्या को पुष्ट करता है कि जहाँ डिजिटल अपनाने की प्रक्रिया चल रही है, वहीं उन्नत डिजिटल उपकरणों का विस्तार करने और सभी संस्थानों में समान पहुँच सुनिश्चित करने की भी सख्त जरूरत है।

5. उपसंहार

संस्थागत अभिलेखों के विश्लेषण से कोटा के शैक्षिक परिदृश्य को आकार देने में शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें निजी गैर–सहायता प्राप्त संस्थान इस क्षेत्र पर हावी हैं और निजी उद्यम के विकास और मजबूत नियामक निरीक्षण की आवश्यकता दोनों को दर्शाते हैं। जबकि कार्यक्रम की पेशकश विविध है, वे बी.एड. प्रशिक्षण पर भारी केंद्रित हैं, शिक्षक शिक्षा में व्यापक प्रगति को सीमित करते हैं। संकाय प्रोफाइल उच्च शैक्षणिक तैयारी में उल्लेखनीय अंतराल के साथ–साथ अच्छी तरह से योग्य पेशेवरों का मिश्रण दिखाते हैं, जो शिक्षक मार्गदर्शन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। प्रवेश और प्लेसमेंट डेटा मध्यम प्रभावशीलता का सुझाव देते हैं, टीईआई स्थानीय मांग को पूरा करते हैं लेकिन रोजगार के परिणामों और स्कूल संरेखण को मजबूत करने के लिए सुधार

की आवश्यकता है। कुल मिलाकर, कोटा में टीईआई शिक्षक आपूर्ति, शैक्षणिक नवाचार अद्वतन पुस्तकालय और सामुदायिक जुड़ाव के लिए महत्वपूर्ण हैं

संदर्भ

i. *अम्हाग, एल., हेलस्ट्रॉम, एल., और स्टिग्मार, एम. (2019)। उच्च शिक्षा में शिक्षक प्रशिक्षकों द्वारा डिजिटल उपकरणों का उपयोग और डिजिटल दक्षता की आवश्यकता। जर्नल ऑफ डिजिटल लर्निंग इन टीचर एजुकेशन, 35(4), 203–220।*

ii. *फथोनी, एम., यूसुफ, ए., और सुमारतोनो डब्ल्यू. सी. (2019)। इंडोनेशिया के मलंग शहर में विकलांग स्कूली शिक्षकों की भेद्यता में स्कूल–आधारित आपदा तैयारी के कार्यान्वित पाठ्यक्रम में शिक्षकों की भूमिका का संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 10(8)।*

iii. *हालिक, ए., हनाफी दास, एस. डब्ल्यू., डांगंगा, एम. एस., रेडी, एम., असवाद, एम., और नासिर, एम. (2019)। पारेपारे शहर के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्कूल समिति का सशक्तिकरण। यूनिवर्सल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 7(9), 1956–1963।*

iv. *हर्टिना, एस., सुहारसो, पी., उमाम, आर., स्याजाली, एम., लेस्टारी, बी.डी., रोसलीना, आर., और जर्मसिटिपर्सर्ट, के. (2020)। शिक्षक का प्रदर्शन प्रबंधनरू इंडोनेशिया के तेगल शहर में प्रधानाध्यापक के नेतृत्व, कार्य वातावरण और प्रेरणा की भूमिका। मैनेजमेंट साइंस लेटर्स, 10(1), 235–246।*

v. *हिम, एच., और सिल्टे, ए.एल. (2024)। शैक्षणिक संस्थानों और शिक्षक शिक्षा के व्यावहारिक क्षेत्र के बीच सहयोग – शिक्षक शिक्षा विद्यालयों के विकास के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षक शिक्षा में प्रासंगिकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक परियोजना में ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण। सामाजिक शिक्षा अनुसंधान, 484–500।*

vi. *कौर, जी. (2020). भारत में निजी कोचिंग केंद्ररू कोटा में छात्रों के जीवन पर जेईई–एडवांस्ड तैयारी केंद्रों का एक दस्तावेज विश्लेषण।*

vii. *खोलिस, एन., और मुरवंती, एम. (2019). इंडोनेशिया, मलेशिया और न्यूजीलैंड में शिक्षक व्यावसायिकता। तरबियारू मुस्लिम समाज में शिक्षा पत्रिका, 6(2), 179–196.*

viii. *रहमान रहमान, ए. (2021). उच्च भागीदारी, कम प्रभावरू इंडोनेशिया में शिक्षक व्यावसायिक विकास के लिए चुनौती। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाशास्त्र और शिक्षक शिक्षा पत्रिका।*

ix. *रिवुकोरे, जे. आर., और हबोरा, एफ. (2021). कोटा कुपांग में एसएमपी नेगेरी में शिक्षक प्रदर्शन पर योग्यता और कार्य प्रेरणा का प्रभाव। इल्कोग्रेटिम ऑनलाइन, 20(1).*

x. सुआर्दा, आई. डब्ल्यू., यदन्यावती, आई. ए. जी., और सुदा, आई. के. (2018)। जूनियर हाई स्कूलों देनपसार में हिंदू धार्मिक शिक्षक के प्रदर्शन प्रमाणित शिक्षक का चित्रण। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, आईटी एंड सोशल साइंसेज, 5(3), 53–61।

xi. सुच्यादी, वाई., सुंदरी, एफ. एस., सुतिस्ना, ई., सुनारदी, ओ., बुडियाना, एस., सुकमनासा, ई., और विंडियानी, टी. (2020)। शिक्षक कार्य समूह, नॉर्थ बोगोर सिटी में योग्यता आधारित मूल्यांकन उपकरणों के विकास के माध्यम से प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की क्षमता में सुधार। जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंगेजमेंट (जेसीई), 2(1), 01–05।

xii. स्याहरी, ए., याह्या, एस., और सालेह, ए. एम. ए. (2024)। इस्लामी शिक्षा व्याख्याताओं द्वारा धार्मिक संयम की शिक्षारू मातरम शहर के तीन इस्लामी विश्वविद्यालयों में सर्वोत्तम अभ्यास। शिक्षारू शिक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम अभ्यास, 22(1), 1–18।

xiii. टैटो, एम., और मेंटर, आई. (2019)। शिक्षक शिक्षा का महत्व। शिक्षक शिक्षा में ज्ञान, नीति और अभ्यासरू एक बहुराष्ट्रीय अध्ययन, 9–20।

xiv. टोंडेउर, जे., शेरेर, आर., बरन, ई., सिद्दीक, एफ., वाल्टोनन, टी., और सोइंटू, ई. (2019)। शिक्षक प्रशिक्षक द्वारपाल के रूप मेंरू शिक्षा में प्रौद्योगिकी एकीकरण के लिए शिक्षकों की अगली पीढ़ी को तैयार करना। ब्रिटिश जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, 50(3), 1189–1209।

xv. उएर्ज, डी., वोलमैन, एम., और क्राल, एम. (2018)। प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षण और अधिगम में छात्र शिक्षकों की दक्षता को बढ़ावा देने में शिक्षक प्रशिक्षकों की क्षमताएँरू प्रासंगिक शोध साहित्य का अवलोकन। शिक्षण और शिक्षक शिक्षा, 70, 12–23।